



KHAN GLOBAL STUDIES

KGS Campus, Sai Mandir, Musallahpur Hatt, Patna - 6

Mob : 8877918018, 875735880

Economics

By : Dr. Bharat Sir

राष्ट्रीय आय को मापने के तीन अलग-अलग तरीके

(i) उत्पाद विधि (या मूल्य वर्धित विधि), (Product Method/Value-Added Method)

(ii) आय विधि, (Income Method)

(iii) व्यय विधि (Expenditure Method)

उत्पाद विधि (या मूल्य वर्धित विधि)

वह विधि है जो देश के घरेलू क्षेत्र के भीतर सभी उत्पादक इकाइयों द्वारा जोड़े गए मूल्य के कुल योग के रूप में बाजार मूल्य पर सकल मूल्य वर्धित (या सकल घरेलू उत्पाद) को मापती है। एक लेखा वर्ष। इसे राष्ट्रीय आय (NNPMP) खोजने के लिए समायोजित किया जाता है।

- **सावधानी:** अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का केवल बाजार मूल्य जोड़ें, मध्यवर्ती वस्तुओं और सेवाओं का बाजार मूल्य शामिल न करें।

या

डबल काउंटिंग से बचें।

- **डबल काउंटिंग और इससे बचना:** डबल काउंटिंग तब होती है जब सभी उत्पादकों के आउटपुट को इस तथ्य पर विचार किए बिना जोड़ा जाता है कि एक निर्माता के आउटपुट का उपयोग दूसरे द्वारा इनपुट के रूप में किया जा सकता है। विभिन्न फर्मों के उत्पादन के बजाय मूल्य संवर्द्धन को जोड़कर इससे बचा जा सकता है।

आउटपुट-मध्यवर्ती आय विधि

खपत का मूल्य वर्धित मूल्य (मध्यवर्ती वस्तुओं और सेवाओं पर व्यय के संदर्भ में)

आय पद्धति वह विधि है जो एक लेखा वर्ष की अवधि के दौरान किसी देश के घरेलू क्षेत्र के भीतर उत्पन्न कारक आय (किराया + ब्याज + लाभ + मजदूरी) के कुल योग के रूप में घरेलू आय को मापती है। राष्ट्रीय आय (एनएनपीएफसी) खोजने के लिए विदेशों से शुद्ध कारक आय को घरेलू आय में जोड़ा जाता है।

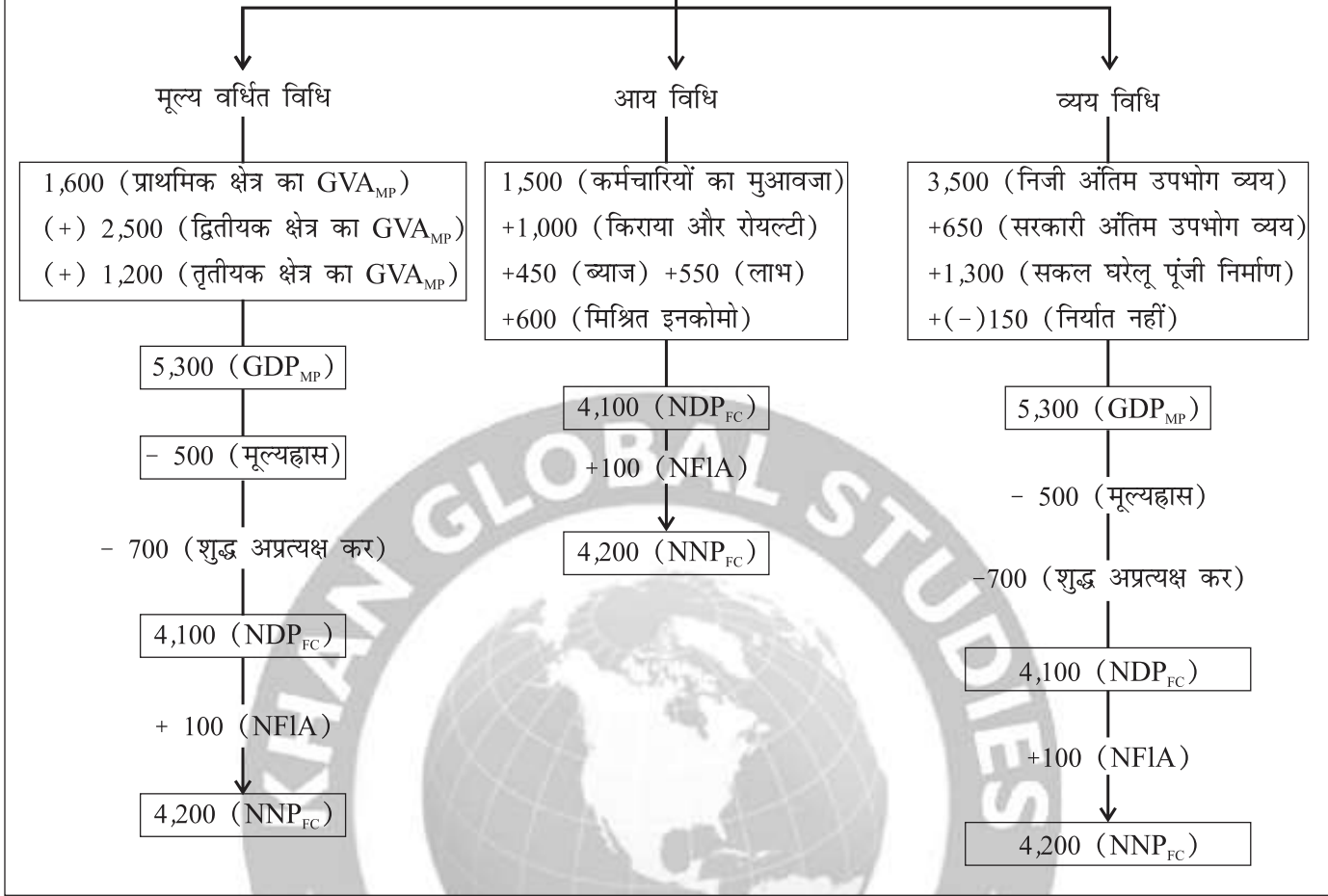
- **सावधानी :** केवल साधन आय जोड़ें, अंतरण भुगतान शामिल न करें। साथ ही, अवैध गतिविधियों (जैसे, जुआ) के माध्यम से उत्पन्न आय को शामिल न करें।

व्यय विधि वह विधि

है जो किसी खाते की अवधि के दौरान अर्थव्यवस्था के घरेलू क्षेत्र के भीतर उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं की खरीद पर कुल व्यय (उपभोग व्यय और निवेश व्यय) के योग के रूप में बाजार मूल्य पर सकल घरेलू उत्पाद को मापती है। वर्ष। इसे राष्ट्रीय आय (NNPMP) खोजने के लिए समायोजित किया जाता है।

- **सावधानी :** केवल अंतिम वस्तुओं पर होने वाले व्यय पर विचार करें जिसके कारण: (i) अंतिम खपत, या (ii) पूंजी निर्माण (जिसमें निवेश भी कहा जाता है); मध्यवर्ती वस्तुओं और सेवाओं पर व्यय शामिल नहीं है। साथ ही पुरानी वस्तुओं या शेयर और बांड पर खर्च पर विचार न करें।

3 तरीकों से राष्ट्रीय आय



राष्ट्रीय आय में शामिल / बहिष्कृत आइटम

1. नए घर का निर्माण।

हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा क्योंकि यह पूंजी निर्माण का एक हिस्सा है और अर्थव्यवस्था में वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन की ओर ले जाता है।

2. लॉटरी पुरस्कार या क्रॉसवर्ड या प्रतियोगिताएं या अन्य अप्रत्याशित लाभ जीतना।

नहीं, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि यह अर्थव्यवस्था में वस्तुओं और सेवाओं के प्रवाह को नहीं जोड़ता है।

3. एक व्यापारी के पास पड़े शेरों की कीमतों में वृद्धि।

नहीं, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि यह माल के किसी भी प्रवाह की राशि नहीं है।

4. राष्ट्रीय ऋण ब्याज।

या

सार्वजनिक ऋण पर ब्याज।

नहीं, यह राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं है क्योंकि यह सरकार द्वारा अपने उपभोग उद्देश्यों को पूरा करने के लिए गए ऋणों पर दिया जाने वाला ब्याज है।

5. एक नियोक्ता द्वारा एक कर्मचारी को दिया गया किराया-मुक्त घर।

हां, इसे आय पद्धति द्वारा राष्ट्रीय आय में शामिल किया गया है क्योंकि यह कर्मचारियों को भुगतान की जाने वाली 'वेज इन काइंड' का एक हिस्सा है।

6. भारत में किसी विदेशी बैंक की शाखाओं द्वारा अर्जित लाभ।

नहीं, यह राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं है क्योंकि यह विदेशों में भुगतान की जाने वाली कारक आय का एक हिस्सा है। इसे राष्ट्रीय आय प्राप्त करने के लिए घरेलू आय से घटाया जाता है।

7. विदेशी पर्यटकों द्वारा खरीदारी।

या

नई दिल्ली के एक होटल में एक विदेशी पर्यटक द्वारा खरीदा गया भोजन।

हां, विदेशी पर्यटकों द्वारा की गई खरीदारी 'निर्यात' है और इसलिए, उन्हें व्यय विधि के माध्यम से राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाता है।

8. भारतीय निवासियों द्वारा भारत में विदेशियों को किराए पर दी गई इमारतों पर प्राप्त किराया।

हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा क्योंकि यह विदेशों से साधन आय का एक हिस्सा है।

9. फर्म द्वारा नियोजित वकील को फीस का भुगतान।

या

चार्टर्ड एकाउंटेंट को फीस के भुगतान पर एक फर्म द्वारा व्यय।

नहीं यह फर्म के लिए एक मध्यवर्ती व्यय है क्योंकि इसमें एक उत्पादन इकाई (फर्म) द्वारा दूसरी उत्पादन इकाई (वकील) से सेवाओं की खरीद शामिल है। इसलिए, इसे मूल्यवर्धित मूल्य पर पहुंचने के लिए फर्म के आउटपुट के मूल्य से घटाया जाता है। अतः इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाता है।

10. नियोजक द्वारा निःशुल्क चिकित्सा सुविधा।

या

एक घरेलू नौकर को मुफ्त रहने और खाने की सुविधा प्रदान की जाती है।

हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा क्योंकि ये मुफ्त सेवाएं कर्मचारियों के मुआवजे का हिस्सा हैं।

11. विदेश से प्राप्त उपहार।

या

नियोक्ता से मिला उपहार।

नहीं, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि प्राप्त उपहार हस्तांतरण आय हैं।

12. ऑस्ट्रेलिया में अपने रसायन व्यवसाय से रिलायंस इंडस्ट्रीज का लाभ।

हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा क्योंकि यह एक से कारक आय का एक हिस्सा है ...

13. भारत में रूसी दूतावास में कार्यरत भारतीय निवासियों द्वारा प्राप्त वेतन।

हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा क्योंकि यह विदेशों से होने वाली कारक आय का एक हिस्सा है।

14. किसी कारखाने में कामगारों को सब्सिडी पर दिया जाने वाला दोपहर का भोजन।

या

फर्म ने कर्मचारी के परिवार के इलाज पर खर्च किया।

हां, यह कर्मचारियों के मुआवजे का एक हिस्सा है और इसलिए इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा।

15. वृद्धावस्था पेंशन

नहीं, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि यह सरकार द्वारा किया गया स्थानांतरण भुगतान है और प्राप्तकर्ता के लिए स्थानांतरण आय है।

16. एक परिवार द्वारा खरीदा गया टिकाऊ सामान।

या

एक परिवार द्वारा कार की खरीद।

हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा क्योंकि यह निजी अंतिम उपभोग व्यय का एक हिस्सा है।

17. एक भारतीय बैंक द्वारा विदेशों में अपनी शाखाओं से अर्जित लाभ।

हां, उन्हें राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा क्योंकि वे विदेशों से साधन आय का एक हिस्सा हैं।

18. शेयरों की बिक्री से शेयरधारकों की कमाई।

नहीं, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि यह एक वित्तीय दावा है और किसी उत्पादक गतिविधि में योगदान नहीं करता है।

19. एक फर्म द्वारा विज्ञापन पर व्यय।

या

वैज्ञानिक अनुसंधान में उपयोग की जाने वाली वस्तुएं।

नहीं, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि यह मध्यवर्ती उपभोग व्यय का एक हिस्सा है।

20. भूमि के विक्रय से प्राप्तियां।

नहीं, इसे शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि भूमि प्रकृति का मुफ्त उपहार है और इसका उत्पादन नहीं किया जा सकता है।

21. बाढ़ पीड़ितों को मिली आर्थिक मदद।

नहीं, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि यह एक हस्तांतरण आय है।

22. किसी कारखाने द्वारा मशीन की खरीद।

या

टैक्सी चालक द्वारा टैक्सी की खरीद।

हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा क्योंकि यह सकल घरेलू पूंजी निर्माण का एक हिस्सा है।

23. रॉयल्टी

हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा क्योंकि रॉयल्टी एक उत्पादक आय है।

24. पुरानी वस्तुओं की बिक्री पर कमीशन।

या

शेयरों की बिक्री पर ब्रोकरेज भुगतान।

हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा क्योंकि यह एक बिचौलिए की विभिन्न पार्टियों को उसकी उत्पादक सेवाओं के लिए आय है।

25. एक विदेशी कंपनी के शेयरों में अपने निवेश से एक भारतीय द्वारा प्राप्त लाभांश।

हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा क्योंकि यह विदेश से प्राप्त कारक आय है।

26. उत्पादन इकाई द्वारा कच्चे माल की खरीद।

या

मिल्क-केक बनाने के लिए मिठाई की दुकान से खरीदा गया दूध।

नहीं, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि यह इंटरमीडिएट का हिस्सा है।

27. एक स्व-नियोजित चिकित्सक की आय जिसका स्वयं के आवास पर क्लिनिक है।

हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा क्योंकि यह मिश्रित आय है।

28. पुराने माल की बिक्री से प्राप्त धन।

नहीं, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि पुरानी वस्तुओं की बिक्री से प्राप्तियां पहले से मौजूद वस्तु के हस्तांतरण के आधार पर होती हैं।

29. नियोक्ता द्वारा भविष्य निधि में अंशदान।

या

नियोक्ता द्वारा कर्मचारी को दिए गए ऋण पर छोड़े गए ब्याज का मूल्य।

हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा क्योंकि यह कर्मचारियों के मुआवजे का एक हिस्सा है।

30. एक किसान द्वारा उगाया गया गेहूं लेकिन परिवार के उपभोग के लिए पूरी तरह से उपयोग किया जाता है।

हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाता है क्योंकि यह वस्तुओं और सेवाओं के वर्तमान प्रवाह को जोड़ता है। इसलिए, इसके लगाए गए मूल्य को शामिल किया जाना चाहिए।

31. सरकार द्वारा फ्लाईओवर के निर्माण पर व्यय।

हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा क्योंकि यह सकल घरेलू पूंजी निर्माण का एक हिस्सा है।

32. एक घर के खरीदार और विक्रेता से डीलर द्वारा प्राप्त कमीशन।

हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा क्योंकि यह डीलर की उत्पादक सेवाओं के लिए आय है।

33. घर के किचन गार्डन में सब्जियां उगाना।

नहीं, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि उत्पादन के मूल्य का अनुमान लगाना मुश्किल है (यह एक गैर-बाजार लेनदेन है)।

34. परिवार के सदस्यों द्वारा एक दूसरे को प्रदान की जाने वाली सेवाएं।

नहीं, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि परिवार के सदस्यों द्वारा एक दूसरे को प्रदान की जाने वाली सेवाओं का मूल्य निर्धारित करना मुश्किल है।

35. निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने में सरकार द्वारा व्यय।

या

सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली मुफ्त सेवाओं पर व्यय।

या

मुफ्त शैक्षिक सेवाएं प्रदान करने पर सरकार द्वारा व्यय।

या

सरकार द्वारा पुलिस सेवाएं प्रदान करने पर व्यय।

या

स्ट्रीट लाइट पर सरकारी खर्च।

हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा क्योंकि यह सरकार के अंतिम उपभोग व्यय का एक हिस्सा है।

36. एक परिवार द्वारा भुगतान किया गया बीमा प्रीमियम।

या

छात्र से प्राप्त शुल्क।

हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाता है क्योंकि यह निजी अंतिम उपभोग व्यय का एक हिस्सा है। 38. किसी राष्ट्र की खनिज सम्पदा।

यह राष्ट्रीय संपत्ति का एक हिस्सा है और राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं है। हालांकि, खनिज संपदा का वह हिस्सा जो चालू वर्ष के दौरान निकाला गया है, उत्पाद विधि के तहत राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा।

37. टेबल बनाने के लिए खरीदी गई लकड़ी का मूल्य।

या

निर्माता से स्कूल कैंटीन द्वारा शीतल पेय की खरीद पर व्यय।

एक फर्म द्वारा परिवहन व्यय।

या

कार सर्विस स्टेशन द्वारा इंजन ऑयल पर व्यय।

नहीं, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि यह मध्यवर्ती उपभोग व्यय का एक हिस्सा है।

38. कारखाने में स्थापना के लिए उपकरणों की खरीद।

हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा क्योंकि यह पूंजी निर्माण का एक हिस्सा है।

39. ब्याज कर का भुगतान।

या

मृत्यु शुल्क का भुगतान।

नहीं, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि यह सरकार को एक अनिवार्य हस्तांतरण भुगतान है।

40. रूस में भारतीय दूतावास में कार्यरत रूसियों को वेतन का भुगतान।

नहीं, यह राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं है क्योंकि यह विदेशों में भुगतान की जाने वाली कारक आय का एक हिस्सा है। इसे राष्ट्रीय आय प्राप्त करने के लिए घरेलू आय से घटाया जाता है।

41. एक विदेशी कंपनी के शेयरों की बिक्री से भारतीय निवासियों को पूंजीगत लाभ।

नहीं, पूंजीगत लाभ को राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि वे अर्थव्यवस्था में वस्तुओं और सेवाओं के वर्तमान प्रवाह में नहीं जुड़ते हैं।

42. भूकंप के कारण भवन का नष्ट होना।

नहीं, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि यह सीधे राष्ट्रीय उत्पाद को प्रभावित नहीं करेगा।

43. HP स्वयं के उपभोग के लिए अपने कार्यालय में अपने नए लैपटॉप का उपयोग करता है।

हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाता है क्योंकि यह वस्तुओं और सेवाओं के वर्तमान प्रवाह को जोड़ता है। इसलिए, लैपटॉप के आरोपित मूल्य को शामिल किया जाना चाहिए।

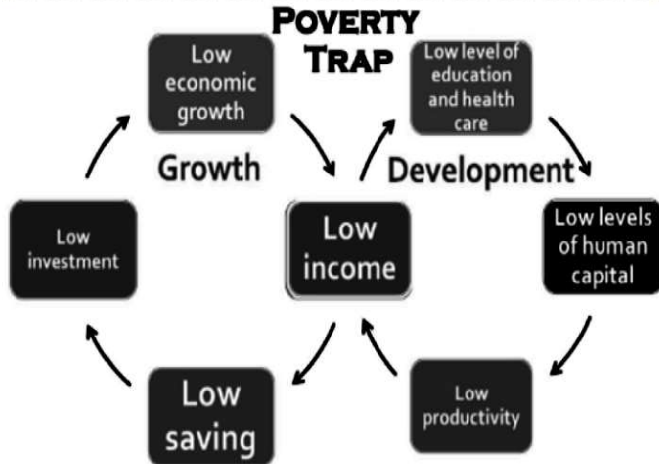
44. एक उत्पादन इकाई द्वारा माल ले जाने के लिए एक ट्रक की खरीद।
हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा क्योंकि यह सकल घरेलू का एक हिस्सा है
45. सरकार द्वारा विदेश में की गई सीधी खरीद।
हां, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा क्योंकि यह सरकार के वित्त का एक हिस्सा है
46. किसी रिश्तेदार से विरासत में मिली संपत्ति की बिक्री से प्राप्त राशि।
नहीं, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि ऐसी संपत्ति की बिक्री से प्राप्त होने वाली आय पहले से मौजूद वस्तु के हस्तांतरण के आधार पर है।
47. व्यावसायिक अतिथियों के मनोरंजन के लिए कर्मचारी को मनोरंजन भत्ता।
नहीं, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि यह व्यवसाय का मध्यवर्ती उपभोग व्यय है।
48. नई कंपनी के शेयरों की खरीद पर व्यय।
या
एक कंपनी द्वारा बांड की बिक्री।
या
एक घरेलू फर्म द्वारा शेयरों की खरीद।
नहीं, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि यह एक वित्तीय दावा है और किसी उत्पादक गतिविधि में योगदान नहीं करता है।
49. उत्पादन सीमा के भीतर पड़ा माल।
नहीं, ऐसी वस्तुओं को राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि उत्पादन सीमा के भीतर पड़ी वस्तुएँ मध्यवर्ती वस्तुएँ हैं।
50. विदेश में काम कर रहे रिश्तेदारों से भारत में एक परिवार द्वारा प्राप्त धन।
नहीं, इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि यह एक हस्तांतरण रसीद है।
3. माल के अपने खाते के उत्पादन को राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाता है क्योंकि:
(a) माल मूर्त हैं
(b) उनका मूल्यांकन संभव है
(c) माल सेवाओं की तुलना में अधिक उत्पादक हैं।
(d) इनमें से कोई नहीं
4. मूल्य वर्धित का अर्थ है:
(a) टिकाऊ वस्तुओं का उत्पादन
(b) उत्पादन मध्यवर्ती खपत
(c) गैर-टिकाऊ वस्तुओं का उत्पादन
(d) मध्यवर्ती वस्तुओं पर व्यय
5. सकल घरेलू पूंजी निर्माण निम्नलिखित का कुल योग है:
(a) अचल संपत्तियों पर व्यय
(b) सकल घरेलू स्थिर पूंजी निर्माण और स्टॉक में परिवर्तन
(c) शुद्ध घरेलू निश्चित पूंजी निर्माण + इन्वेंट्री निवेश + मूल्यहास
(d) दोनों (b) और (c)
6. मूल्य वर्धित पद्धति किसी देश के घरेलू क्षेत्र के भीतर निम्नलिखित में से किसके योगदान को मापती है?
(a) घरेलू उपभोक्ता
(b) देश के निवासियों के स्वामित्व वाले उत्पादक उद्यम
(c) देश के अनिवासियों के स्वामित्व वाले उत्पादक उद्यम
(d) दोनों (b) और (c)
7. आय पद्धति द्वारा राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाते समय निम्नलिखित में से कौन सी वस्तु शामिल नहीं है?
(a) किराया (b) मिश्रित आय
(c) निश्चित निवेश (d) अवितरित लाभ
8. निम्नलिखित में से कौन सा अंतिम उपभोग व्यय का तत्व नहीं है?
(a) भोजन पर घरेलू खर्च
(b) सरकार का अंतिम उपभोग व्यय
(c) शिक्षा पर घरेलू खर्च
(d) कच्चे माल पर व्यय
9. दोहरी गणना के परिणामस्वरूप, राष्ट्रीय आय है:
(a) अधिक अनुमानित
(b) कम अनुमानित
(c) सही ढंग से अनुमान लगाया
(d) लेखांकन के पूरे वर्ष के लिए अनुमानित नहीं है

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. घरेलू वस्तु-सूची है:
(a) राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं है
(b) एक स्टॉक अवधारणा
(c) दोनों (a) और (b)
(d) इनमें से कोई नहीं
2. विदेश में काम कर रहे एक रिश्तेदार द्वारा भेजी गई रकम हैं:
(a) राष्ट्रीय आय में शामिल
(b) राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं है
(c) हस्तांतरण भुगतान
(d) दोनों (b) और (c)
10. निम्नलिखित में से कौन सा राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं है?
(a) विदेश में बसे आपके माता-पिता द्वारा भेजे गए उपहार चेक की रसीद
(b) अनिवासी भारतीयों द्वारा अर्जित मजदूरी का भारत में उनके माता-पिता को प्रत्यावर्तन
(c) घरेलू उत्पादन पर उत्पाद शुल्क
(d) ये सभी

11. निम्न में से कौन सा हस्तांतरण भुगतान नहीं है?
 (a) राष्ट्रीय ऋण पर ब्याज (b) सेवानिवृत्ति पेंशन
 (c) वृद्धावस्था पेंशन (d) दान
12. बाजार मूल्य पर किसी देश के जीएनपी का अनुमान लगाते समय निम्नलिखित में से कौन सी वस्तु शामिल नहीं है?
 (a) उद्यमों की बिक्री
 (b) अप्रत्यक्ष कर
 (c) एनआरआई द्वारा प्रेषण
 (d) सब्सिडी
13. सेवाओं का स्वयं का उत्पादन राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं है क्योंकि:
 (a) सेवाएं माल से अलग हैं
 (b) सेवाएं उत्पादक नहीं हैं
 (c) ऐसी सेवाओं के बाजार मूल्य को मापना मुश्किल है
 (d) इनमें से कोई नहीं
14. एक लेखा वर्ष के दौरान क्लोजिंग स्टॉक और ओपनिंग स्टॉक के बीच के अंतर को कहा जाता है:
 (a) स्टॉक में वृद्धि
 (b) स्टॉक में परिवर्तन
 (c) स्टॉक में कमी
 (d) इनमें से कोई नहीं
15. कर्मचारियों के पारिश्रमिक में शामिल हैं:
 (a) मजदूरी और वेतन नकद में
 (b) मजदूरी और वस्तु के रूप में वेतन
 (c) सेवानिवृत्ति पर पेंशन
 (d) ये सभी
16. संचालन अधिशेष =
 (a) किराया + लाभ + ब्याज
 (b) किराया + ब्याज + कर्मचारियों का मुआवजा
 (c) NDP_{FC} - कर्मचारियों का मुआवजा - स्वरोजगार की मिश्रित आय
 (d) दोनों (a) और (c)
17. निम्नलिखित में से कौन सा वस्तु सूची निवेश में शामिल नहीं है?
 (a) तैयार माल के स्टॉक में परिवर्तन
 (b) अर्द्ध-तैयार माल के स्टॉक में परिवर्तन
 (c) कच्चे माल के स्टॉक में बदलाव
 (d) वर्ष के दौरान बिक्री में परिवर्तन
18. इनमें से कौन सा अंतिम व्यय का हिस्सा नहीं है?
 (a) सरकार द्वारा खरीदे गए उपभोक्ता सामान
 (b) शेष विश्व को निर्यात की जाने वाली उपभोक्ता वस्तुएँ
 (c) किसानों द्वारा खरीदे गए बीज
 (d) सरकार निश्चित निवेश व्यय
19. दोहरी गणना की समस्या से बचा जा सकता है:
 (a) अंतिम आउटपुट विधि
 (b) मूल्य वर्धित विधि
 (c) दोनों (a) और (b)
 (d) न तो (a) और न ही (b)
20. कर्मचारियों के मुआवजे के अनुमान में निम्नलिखित में से कौन सा अप्रासंगिक है?
 (a) स्कूल के प्रधानाचार्यों को मुफ्त आवास प्रदान किया गया
 (b) उन छात्रों की मुफ्त शिक्षा जिनके माता-पिता स्कूलों में काम कर रहे हैं
 (c) नकद में मजदूरी और वेतन
 (d) वृद्धावस्था पेंशन

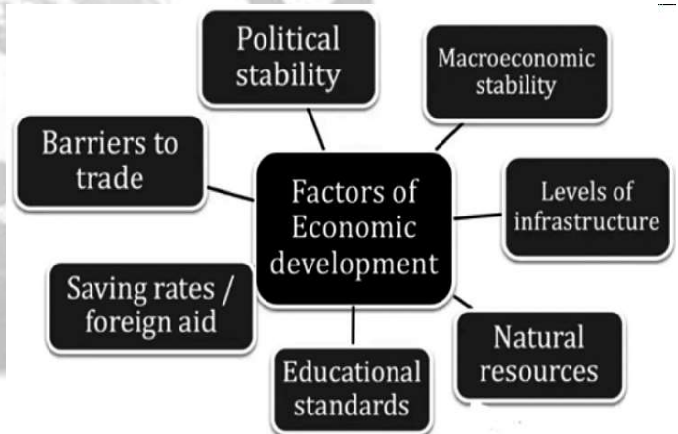
आर्थिक विकास



आर्थिक विकास

- आर्थिक विकास समाज की भौतिक भलाई में निरंतर सुधार के रूप में परिभाषित किया गया है।
- आर्थिक विकास की तुलना में अवधारणाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है आर्थिक विकास।
- राष्ट्रीय आय वृद्धि के अलावा, इसमें सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तन शामिल हैं जो भौतिक प्रगति में योगदान करते हैं।

4. राष्ट्रीय आय और प्रति व्यक्ति आय (National Income and Per Capita Income)
5. क्रय शक्ति समानता (पीपीपी) (Purchasing Power Parity)
6. ग्रीन जीडीपी (Green GDP)
7. मानव विकास सूचकांक (Human Development Index)
8. राजनीतिक स्थिरता (Political Stability)
9. व्यापक आर्थिक स्थिरता (Macroeconomic Stability) (मुद्रास्फीति, राजकोषीय नीति, रोजगार स्तर राष्ट्रीय आय, वैश्विक/अंतर्राष्ट्रीय व्यापार,)
10. प्राकृतिक संसाधन (Natural Resources)
11. बचत दर / विदेशी निवेश (Saving Rate / Foreign Investment)
12. व्यापार में रूकावटें (Barriers in Trade)



Economic Development

The process in which people in a country become wealthier, healthier, better educated, and have greater access to good quality housing.



आर्थिक विकास को प्रभावित करने वाले कारक

1. अवसंरचनात्मक विकास (Infrastructural Development)
2. शिक्षा (Education)
3. पूंजी निर्माण में वृद्धि (Increase in Capital Formation)

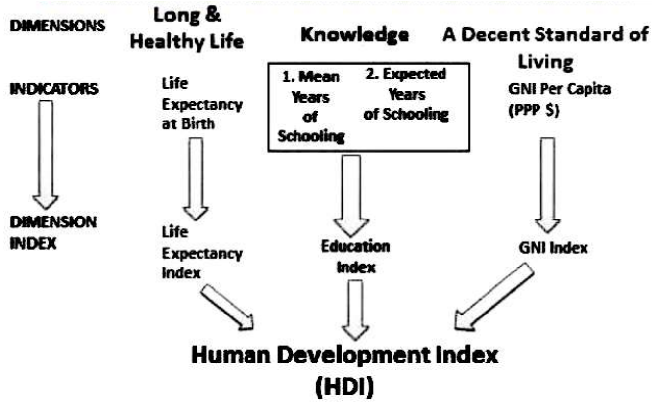
आर्थिक विकास के उपाय

1. मानव विकास सूचकांक (Human Development Index)
2. ग्रहों का दबाव समायोजित सूचकांक (Planetary Pressure Adjusted Index)(PHDI)
3. लिंग विकास सूचकांक (Gender Development Index)
4. लिंग सशक्तिकरण उपाय (Gender Empowerment Measure) (GEM)
5. लैंगिक असमानता सूचकांक (Gender Inequality Index)
6. असमानता समायोजित एचडीआई (Inequality Adjusted HDI)
7. बहु-आयामी गरीबी सूचकांक (Multi-Dimensional Poverty Index) (MPI)
8. जीवन सूचकांक की भौतिक गुणवत्ता (Physical Quality of Life Index) (PQLI)
9. ग्लोबल नेशनल हैप्पीनेस इंडेक्स (Global National Happiness Index) (GNH)

अन्य महत्वपूर्ण रिपोर्ट

1. वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2022
2. ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स 2022

1. मानव विकास सूचकांक (HDI)



- ▶ मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) जीवन की गुणवत्ता में स्तर और परिवर्तन को मापता है
- ▶ महबूब उल हक और अमर्त्य सेन, पाकिस्तान और भारत के दो प्रसिद्ध अर्थशास्त्री
- ▶ 1990 में यूएनडीपी द्वारा पेश किया गया था और 2012 को छोड़कर, तब से हर साल जारी किया जाता है।
- ▶ HDI मान 0.000 से 1.000 तक होता है एक।
0.000 - 0.4999 (कम एचडीआई)
बी।0.500 - 0.799 (मध्यम एचडीआई)
सी।0.800 - 1.000 (उच्च एचडीआई)

मानव विकास रिपोर्ट 2021-22

- ▶ भारत 191 देशों में 132वें स्थान पर है और वर्ष 2020 में 130, बांग्लादेश (129) और श्रीलंका (73) से पीछे।
- ▶ भारत का नवीनतम एचडीआई मूल्य 0.633 (132) देश को मध्यम मानव विकास श्रेणी में रखता है, जो 2020 की रिपोर्ट में इसके मूल्य 0.645 (130) से कम है।
- ▶ जीवन प्रत्याशा: 2021 में, भारत की जानप्रत्याशा - 69.7 से 67.2 वर्ष। (जीवन प्रत्याशा में वैश्विक गिरावट, 2019 में 72.8 वर्ष से घटकर 2021 में 71.4 वर्ष)
- ▶ स्कूली शिक्षा: स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष 11.9 वर्ष 2020 की रिपोर्ट में 12.2 साल से नीचे, स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष 6.7 वर्ष 2020 की रिपोर्ट में 6.5 साल से।
- ▶ (इसी अवधि में महिलाओं के लिए स्कूली शिक्षा का औसत वर्ष 12.6 से घटकर 11.9 वर्ष हो गया।
- ▶ सकल राष्ट्रीय कमाई: प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय 6,590 अमेरिकी डॉलर थी।
- ▶ भारत के पड़ोसियों में, श्रीलंका (73वें), चीन (79वें), बांग्लादेश (129वें), और भूटान (127वें) का स्थान भारत से ऊपर है, जबकि पाकिस्तान (161वें), नेपाल (143वें) और म्यांमार (149वें) की स्थिति और भी खराब है। रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 90 प्रतिशत देशों ने 2020 या 2021 में अपने

एचडीआई मूल्य में गिरावट दर्ज की है।

देश और उनका प्रदर्शन

- ▶ स्विट्जरलैंड (1, 0.962), नॉर्वे (2, 0.961), आइसलैंड (3, 0.959), डेनमार्क (6, 0.948), स्वीडन (7, 0.947), आयरलैंड (8, 0.945), जर्मनी (9, 0.942) हैं। और नीदरलैंड्स (10, 0.941)।
- ▶ द्वीप राष्ट्र के बाद श्रीलंका (73 और 0.782), चीन (79 और 0.768), भूटान (127 और 0.666), बांग्लादेश (129 और 0.661), भारत, नेपाल (143 और 0.602) और पाकिस्तान (161 और 0.544) का स्थान रहा।

2. ग्रहों का दबाव-समायोजित मानव विकास सूचकांक (Planetary Pressure Adjusted Index (PHDI))

Planetary pressures-adjusted Human Development Index (PHDI)

Country (HDI rank)	India	World	China	Switzerland
PHDI	0.609	0.667	0.648	0.796
PHDI (vs HDI)	Falls by 4%	Falls by 9%	Falls by 16%	Falls by 17%

- ▶ PHDI देश के स्तर के अनुसार मानक HDI को समायोजित करता है कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन और भौतिक पदचिह्न, प्रति व्यक्ति के आधार पर प्रत्येक।

▶ भारत का प्रदर्शन:

- ❖ भारत रैंकिंग में आठ पायदान ऊपर चढ़ेगा (123वां)
- ❖ पेरिस समझौते के तहत, भारत ने 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 2005 के स्तर से 33-35% तक कम करने और 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 40% बिजली क्षमता प्राप्त करने का संकल्प लिया।
- ❖ भारत में सौर क्षमता में वृद्धि हुई मार्च 2014 में 2.6 गीगावाट से जुलाई 2019 में 30 गीगावाट तक, निर्धारित समय से चार साल पहले 20 गीगावाट के अपने लक्ष्य को प्राप्त करना।
- ❖ 2019 में, स्थापित सौर क्षमता के मामले में भारत पांचवें स्थान पर रहा।
- ❖ राष्ट्रीय सौर मिशन का उद्देश्य जीवाश्म ईंधन आधारित विकल्पों के साथ सौर ऊर्जा को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए बिजली उत्पादन और अन्य उपयोगों के लिए सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना है।

3. लिंग विकास सूचकांक

Gender Development Index

Country (HDI rank)	India (#132)	World	China (#79)	Switzerland (#1)
GDI	0.849	0.958	0.984	0.967
GNI per capita for women (in 2017 PPP \$)	2,277	12,241	13,980	54,597
GNI per capita for men (in 2017 PPP \$)	10,633	21,210	20,883	79,451

- ▶ मानव विकास रिपोर्ट 1995 में पेश किया गया
- ▶ GDI लेखांकन द्वारा मानव विकास उपलब्धियों में लैंगिक अंतराल को मापता है। तब बुनियादी आयामों में महिलाओं और पुरुषों के बीच असमानताओं के लिए मानव विकास के-स्वास्थ्य, ज्ञान और जीवन स्तर एचडीआई के समान घटक संकेतकों का उपयोग करना।
- ▶ यह अनुपात 1 के जितना करीब होगा, मानव विकास सूचकांक के संदर्भ में महिलाओं और पुरुषों के बीच लिंग अंतर उतना ही कम होगा।
- ▶ भारत का GDI 0.849 पर है जो विश्व औसत 0.958 से काफी पीछे है।
- ▶ महिला जीवन प्रत्याशा 2020 की रिपोर्ट में 71 वर्ष से गिरकर 2021 की रिपोर्ट में 68.8 वर्ष हो गई।
- ▶ भारत के दृष्टिकोण से, प्रमुख मानव विकास सूचकांक मीट्रिक जहां महिलाएं पुरुषों से सबसे पीछे लगती हैं, प्रति व्यक्ति आय है।

Country (HDI rank)	India (#132)	World	China (#79)	Switzerland (#1)
Maternal mortality ratio (deaths per 100,000 live births)	122	225	29	5
Adolescent birth rate (births per 1,000 women ages 15-19)	17	43	11	2.2
Share of seats in parliament (% held by women)	13	26	25	40
Female population with at least some secondary education (% ages 25 and older)	42	64	78	97
Labour force participation rate (% ages 15 and older)	19	46	62	62
GII	0.490	0.465	0.192	0.018

- ▶ जीडीआई = महिला एचडीआई/पुरुष एचडीआई

4. लिंग सशक्तिकरण उपाय (GEM)

- ▶ 1995 में पेश किया गया
- ▶ यूएनडीपी द्वारा विकसित
- ▶ यह लैंगिक असमानता को तीन प्रमुख आयामों में मापता है
 - (a) राजनीतिक भागीदारी और निर्णय लेना
 - (b) आर्थिक भागीदारी और निर्णय लेना
 - (c) आर्थिक संसाधनों पर शक्ति

5. लैंगिक असमानता सूचकांक

- ▶ जीआईआई यूएनडीपी द्वारा जारी असमानता सूचकांक है। यह मानव विकास के तीन महत्वपूर्ण पहलुओं में लैंगिक असमानताओं को मापता है-

- ❖ **प्रजनन स्वास्थ्य** मातृ मृत्यु अनुपात (प्रति 100000 जीवित जन्मों पर जन्म या गर्भावस्था के कारण मातृ मृत्यु की संख्या) और किशोर जन्म दर (प्रति 1000 महिलाओं पर 15 से 19 वर्ष की महिलाओं के जन्म की वार्षिक संख्या) द्वारा मापा जाता है;
- ❖ **अधिकारिता** महिलाओं के कब्जे वाली संसदीय सीटों के अनुपात और कम से कम कुछ माध्यमिक शिक्षा के साथ वयस्क महिलाओं और 25 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुषों के अनुपात द्वारा मापा जाता है; और
- ❖ **आर्थिक स्थिति** श्रम बाजार भागीदारी के रूप में व्यक्त किया गया और 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिला और पुरुष आबादी की श्रम बल भागीदारी दर द्वारा मापा गया।

लैंगिक असमानता सूचकांक - 2021

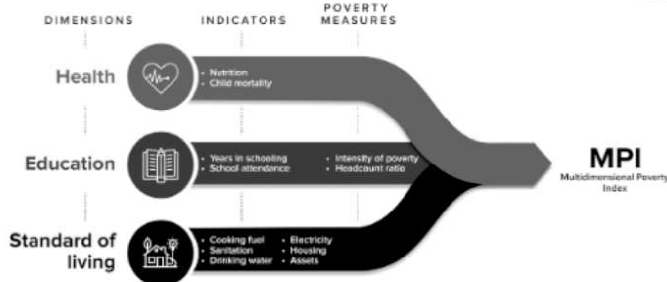
- ❖ GII में, भारत 190 देशों में से 122वें स्थान पर है।
- ❖ भारत का GII 0.490 (2020 में 0.493) जो 0.465 के विश्व औसत से थोड़ा कम है।
- ❖ भारत का प्रदर्शन चीन से काफी नीचे है जिसका GII मान 0.192 है।

6. असमानता समायोजित एचडीआई

Country (HDI rank)	India (#132)	World	China (#79)	Switzerland (#1)
What happens to HDI when adjusted for inequality	Falls by 25%	Falls by 19%	Falls by 15%	Falls by 7%
Income share held by poorest 40% of	20%	18%	17%	20%
Income share held by the richest 1%	22%	17%	14%	12%

- ▶ 2010 में पेश किया गया।
 - ▶ IHDI असमानता के कारण भ्रू में प्रतिशत हानि दर्शाता है।
 - ▶ यदि कोई असमानता नहीं है, तो HDI, IHDI के बराबर होगा।
 - ▶ भारत के लिए, 2019 के लिए IHDI मान 0.537 है।
 - ▶ रिपोर्ट में पाया गया कि भारत का मानव विकास सूचकांक 25% तक गिर जाता है, जब असमानता के लिए समायोजित यह वैश्विक औसत 19% से अधिक है।
 - ▶ ऐसा इसलिए है क्योंकि सबसे अमीर 1% आबादी की आय का हिस्सा सबसे गरीब 40% की आय से अधिक है।
- #### 7. बहु-आयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई)
- ▶ 2010 में पेश किया गया
 - ▶ संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल (ओपीएचआई) द्वारा जारी

- सूचकांक 109 देशों और 5.9 अरब लोगों के डेटा पर विचार करता है।
- एक व्यक्ति बहुआयामी रूप से गरीब है यदि वह भारत संकेतकों (दस संकेतकों में से) के एक तिहाई या अधिक (अर्थात् 33% या अधिक) से वंचित है। जो लोग भारत संकेतकों के आधे या अधिक से वंचित हैं, उन्हें अत्यधिक बहुआयामी गरीबी में रहने वाले माना जाता है।



वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) 2022

- 1.2 अरब लोग बहुआयामी रूप से गरीब हैं।
- उनमें से लगभग आधे गंभीर गरीबी में रहते हैं।
- आधे गरीब लोग (593 मिलियन) 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे हैं
- उप सहारा अफ्रीका (579 मिलियन) में गरीब लोगों की संख्या सबसे अधिक है, इसके बाद दक्षिण एशिया (385 मिलियन) का स्थान है। दोनों क्षेत्रों में एक साथ 83% गरीब लोग रहते हैं।

वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) और भारत

- 22.8 करोड़ के साथ भारत में दुनिया भर में सबसे अधिक गरीब लोग हैं, इसके बाद नाइजीरिया में 9.6 करोड़ लोग हैं।
- देश में 2005/06 में गरीबी की घटना 55.1% से गिरकर 2019/21 में 16.4% हो गई।
- 2005-06 और 2019-21 के बीच 15 साल की अवधि के दौरान भारत में 41.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले।

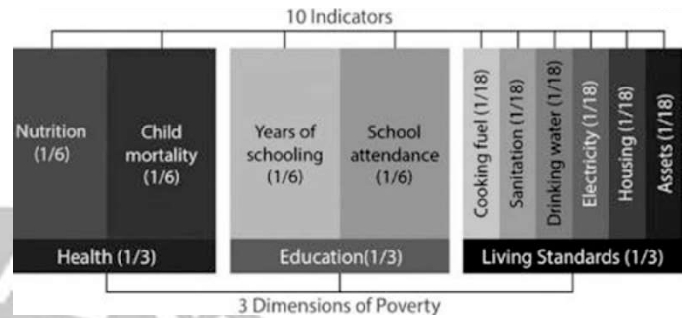
4. राज्यों का प्रदर्शन:

- बिहार, 2015-16 में सबसे गरीब राज्य, एमपीआई मूल्य में पूर्ण रूप से सबसे तेज कमी देखी गई।
 - बिहार में गरीबों का प्रतिशत 2005-06 में 77.4% से गिरकर 2015-16 में 52.4% और 2019-21 में 34.7% हो गया।
- हालांकि, सापेक्ष रूप में, सबसे गरीब राज्य अभी तक पकड़ में नहीं आए हैं।
 - 2015/2016 में 10 सबसे गरीब राज्यों में से केवल एक (पश्चिम बंगाल) 2019-21 की सूची से बाहर हुआ है।
 - बाकी (बिहार, झारखंड, मेघालय, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, असम, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और राजस्थान) 10 सबसे गरीब लोगों में से हैं।

- भारत में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में, सापेक्षिक रूप से सबसे तेज कमी गोवा में हुई, इसके बाद जम्मू और कश्मीर, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का स्थान रहा।

5. क्षेत्रवार गरीबी में कमी:

- 2015-2016 में गरीबी की घटना 36.6% से घटकर 2019-2021 में ग्रामीण क्षेत्रों में 21.2% और शहरी क्षेत्रों में 9.0% से 5.5% तक गिर गई।



राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक: नीति आयोग

- 12 संकेतक (स्वास्थ्य - प्रसव पूर्व देखभाल और जीवन स्तर - बैंक खाता)
- बिहार में राज्य की जनसंख्या का सबसे अधिक अनुपात है जिसके बाद झारखंड और उत्तर प्रदेश हैं जो बहुआयामी रूप से गरीब हैं।
- केरल ने सबसे कम जनसंख्या गरीबी स्तर दर्ज किया, इसके बाद पुदुचेरी, लक्षद्वीप, गोवा और सिक्किम का स्थान है।

8. जीवन सूचकांक की भौतिक गुणवत्ता (PQLI)

- मॉरिस डेविड द्वारा 1970 के दशक के मध्य में ओवरसीज डेवलपमेंट काउंसिल के लिए फिजिकल क्वालिटी ऑफ लाइफ इंडेक्स (PQLI) विकसित किया गया था।
- जीवन सूचकांक की भौतिक गुणवत्ता तीन चरों के आधार पर किसी देश के जीवन या कल्याण की गुणवत्ता को मापती है-
 - बुनियादी साक्षरता दर
 - शिशु मृत्यु दर
 - एक वर्ष की आयु में जीवन प्रत्याशा

9. ग्लोबल नेशनल हैप्पीनेस इंडेक्स (GNH)

- ग्रॉस नेशनल हैप्पीनेस शब्द 1970 के दशक में महामहिम भूटान के चौथे राजा, जिग्मे सिंग्ये वांगचुक द्वारा गढ़ा गया था।
- सकल राष्ट्रीय खुशी (जीएनएच) भूटान में सकल घरेलू उत्पाद माप के विकल्प के रूप में आर्थिक और नैतिक प्रगति को मापता है।
- अवधारणा का तात्पर्य है कि सतत विकास को प्रगति की धारणाओं के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और कल्याण के गैर-आर्थिक पहलुओं को समान महत्व देना चाहिए।
- 2012 में, वैश्विक स्तर पर सकल खुशी सूचकांक के आधार पर संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क द्वारा पहली बार वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट जारी की गई थी।
- रिपोर्ट आमतौर पर 150 देशों को रैंक करती है

➤ यह कई कारकों पर आधारित है जैसे प्रति व्यक्ति वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद, एससामाजिक समर्थन, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा, जीवन विकल्प बनाने की स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार की धारणा।

➤ अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस- 20 मार्च

10. वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2022

- इस साल, रिपोर्ट में 146 देशों को स्थान दिया गया।
- भारत ने अपनी रैंकिंग में मामूली सुधार देखा, एक साल पहले 139 से तीन स्थानों की छलांग लगाकर 136 पर पहुंच गया।
- फिनलैंड को पांचवें वर्ष के लिए दुनिया का सबसे खुशहाल देश नामित किया गया है जिसके बाद डेनमार्क है।
- अफगानिस्तान को सबसे दुखी राष्ट्र के रूप में स्थान दिया गया, इसके बाद क्रमशः लेबनान, जिम्बाब्वे, रवांडा और बोत्सवाना का स्थान रहा।

11. ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स 2022

- चार प्रमुख आयाम
 - ❖ आर्थिक भागीदारी और अवसर
 - ❖ शिक्षा प्राप्ति
 - ❖ स्वास्थ्य और जीवन रक्षा
 - ❖ राजनीतिक अधिकारिता

The gender score | India ranked 135 in gender parity out of 146 countries, according to the Global Gender Gap Report 2022 released by the World Economic Forum. A look at India's ranking in the four sub-indexes based on which the overall ranking was determined

India	Rank 2022*
Global gender gap index	135
Economic participation and opportunity	143
Educational attainment	107
Health and survival	146
Political empowerment	48

*out of 146 countries



- विश्व आर्थिक मंच (WEF) रैंक 2022 के लिए अपने ग्लोबल जेंडर गैप (GGG) इंडेक्स में 146 देशों में भारत 135वें स्थान पर है।
- भारत का समग्र स्कोर 0.625 (2021 में) से सुधर कर 0.629 हो गया है, जो पिछले 16 वर्षों में इसका सातवां उच्चतम स्कोर है।
- 2021 में, भारत 156 देशों में 140वें स्थान पर था।
- लैंगिक अंतर महिलाओं और पुरुषों के बीच का अंतर है जो सामाजिक, राजनीतिक, बौद्धिक, सांस्कृतिक, या आर्थिक उपलब्धियों या दृष्टिकोण में परिलक्षित होता है।

भारत की रैंक				
Index/sub-index	2022 (146 countries)		2021 (156 countries)	
	Rank	Score	Rank	Score
वैश्विक लिंग अंतर अनुक्रमणिका	135	0.629	140	0.625
राजनीतिक अधिकारिता	48	0.267	51	0.276
आर्थिक भाग लेना	143	0C50	151	0C26
शिक्षात्मक प्राप्ति	107	0.96t	114	0.962
स्वास्थ्य और जीवित रहना	146	0.937	155	0937